निवेश और रोजगार का रोडमैप तैयार चिकनकारी की होगी वैश्विक ब्रांडिंग

धरातल पर उतरेंगे निवेश प्रस्ताव एमएसएमई सेक्टर पर होगा जोर

- कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी ने उद्यमियों संग की बैठक
- आइआइएम इंदौर ने तैयार की डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट

कलेक्ट्रेट में रोजगार और निवेश को लेकर तैयार की गई बुकलेट प्रस्तुत करते जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार और अन्य अधिकारी • सौजन्य : प्रशासन

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ में रोजगार और निवेश की संभावनाओं की जमीन तैयार है। लखनऊ में ओडीओपी सहित दूसरी औद्योगिक इकाइयों की सेहत ठीक करने के लिए जिला प्रशासन ने आइआइएम इंदौर के सहयोग से रोडमैप तैयार किया है। इसके न केवल चिकनकारी की वैश्विक ब्रांडिंग होगी, बल्कि दूसरी औद्योगिक इकाइयों के प्रस्तावों को भी धरातल पर उतारने में मदद मिलेगी।

बुधवार को कलेक्ट्रेट में चिकनकारी से संबंधित कारीगरों, उद्यमियों निर्यातकों और बैंकर्स के साथ जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने बैठक की, जिसमें आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने जूम के माध्यम से हिस्सा लिया। प्रोफेसर हिमांशु ने बताया कि चिकनकारी को लेकर सर्वे में जो बातें सामने आई हैं उसके बाद डीपीआर तैयार की गई है, जिसमें इकाई स्थापना से लेकर कच्चा माल, प्लांट मशीनरी और मार्केटिंग व ब्रांडिंग के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसकी एक बुकलेट तैयार की गई है जिसमें सभी तरह की जानकारियां मिल जाएंगी।

प्रशासन ने चिकन व्यवसाय की सेहत सुधारने के लिए आइआइएम इंदौर से एक एमओयू किया था जिसके बाद प्रो. हिमांशु राय के नेतृत्व में प्रो. भवानी शंकर और नवीन कृष्ण राय ने चिकन उद्यमियों, कारीगरों और बाजार में इस उद्योग की समस्याओं व संभावनाओं पर अध्ययन किया था। विशेषज्ञों के सुझाव पर चिकनकारी के कुर्ते का स्टैंडर्ड साइज भी तैयार कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसकी डिजाइन और भी आकर्षक बनाई जा रही हैं।

वैश्विक स्तर पर चिकनकारी को लाने के लिए ई-कामर्स प्लेटफार्म पर भी इसे तेजी से आगे बढ़ाने पर बात हुई है। सबसे खास बात कि चिकन की कारीगरी करने वाले लोगों की कहानी उत्पाद से जोड़कर ब्रांडिंग की जाएगी।

लगातार बढ़ रही एमएसएमई इकाइयां: राजधानी में निवेश और अशोक लीलैंड व एलाय टेक्नालोजी जैसी कंपनियों के आने से एमएसएमई इकाइयों की संख्या बढ़ रही है। इस वर्ष ही 42,539 इकाइयां पंजीकृत की गई हैं। इस तरह वित्तीय वर्ष 2020-21 से अब तक 178383 इकाइयां पंजीकृत हो चुकी है। उद्यमी रजत मेहरा का कहना है कि उद्योगों को बढ़ावा होना है जो एमएसएमई सेक्टर को पहले मजबूत करना पड़ेगा।

33 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद लखनऊ में दो लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए थे जिनमें 309 प्रोजेक्ट में से 3,31,407 करोड़ के प्रस्ताव धरातल पर हैं। इनमें से भी 16 हजार करोड़ के 155 प्रोजेक्ट शुरू हो गए हैं। डीएम सूर्यपाल के मुताबिक शेष प्रोजेक्टों पर भी तेजी से काम हो रहा है। जहां पर भी किसी तरह की समस्या आ रही है प्रशासन संबंधित विभागों से समन्वय करा रहा है।

वार्षिक ऋण योजना में 258 प्रतिशत की बढ़ोतरी

अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मुहैया कराने के उद्देश्य से गत वर्ष के 14562 करोड़ के सापेक्ष वर्तमान वित्तीय वर्ष में 37 हजार करोड़ से अधिक की ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। यह पिछले साल की अपेक्षा 258 प्रतिशत अधिक है। जिले में 1,100 से अधिक बैंक शाखाओं द्वारा रोजगार और औद्योगिक इकाइयों द्वारा ऋण वितरण किया जा रहा है। प्रत्येक पंचायत और न्याय पंचायत पर बैंकों को नामित कर दिया गया है ताकि सभी को आसानी से ऋण मिल सके।